



सुनें कहानी



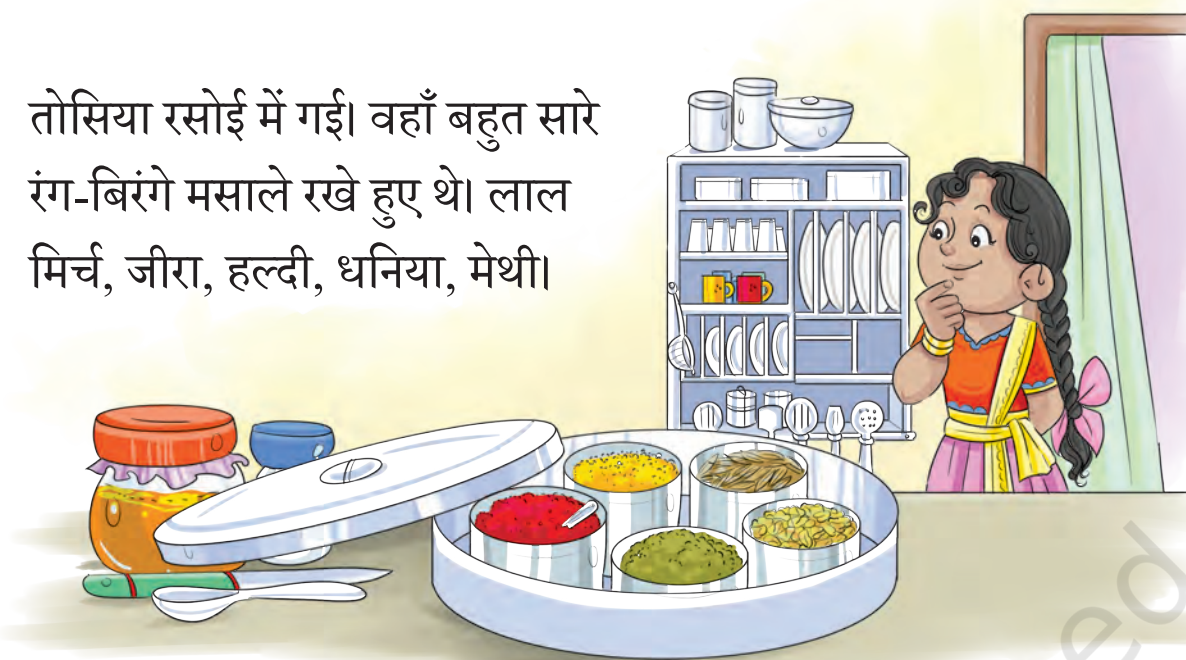
तोसिया का सपना

एक दिन तोसिया ने सपना देखा। तोसिया बहुत सपने देखती है। वह उठकर सपनों के बारे में बात भी करती है। तोसिया को सपना आया कि दुनिया के सारे रंग उड़ गए हैं। कहीं कोई रंग नहीं बचा। उसने देखा कि सब कुछ सफ़ेद-सफ़ेद हो गया है।



तोसिया उठी और सपने को याद करने लगी। वह एकदम से घबरा गई। तोसिया सोचने लगी कि क्या सचमुच रंग गायब हो गए हैं।

तुसलतल रसुई में गई। वहाँ बहुत सारे
रंग-बिरंगे मसाले रखे हुए थे। लाल
मलरु, ऑीरल, हलुदी, धनलतल, मेथी।



तुसलतल उठकर बलर बगीचे में गई। वहाँ रंग-बिरंगे फूल खले हुए थे। गेंदल,
ऑमेली, सदलबहलर, गुललब, सूरऑमुखी। तुसलतल ने देखा
कु उसके कपड़ुओं में रंग हैं। मम्मी-पलपल के
कपड़ुओं में भी रंग हैं। घर में भी खूब सारे
रंग दलख रहे थे।



तोसिया मम्मी के साथ बाज़ार चल पड़ी। वहाँ खूब सारी रंग-बिरंगी सब्ज़ियाँ थीं। गाजर, बैंगन, टमाटर, सेम, मटर। बाज़ार में पतंग की दुकान भी थी। दुकान में खूब सारी रंग-बिरंगी पतंगें थीं। काली, पीली, नीली, हरी, नारंगी। मम्मी चुन्नी की दुकान पर गईं। वहाँ खूब सारी रंग-बिरंगी चुन्नियाँ थीं। गुलाबी, बैंगनी, फिरोज़ी, आसमानी, भूरी। बाज़ार में गुब्बारेवाला खड़ा हुआ था। उसके पास खूब सारे रंग-बिरंगे गुब्बारे थे। नीले, पीले, हरे, लाल, गुलाबी। तोसिया ने खूब सारे रंग देखे। वह खुश हो गई कि रंग गायब नहीं हुए हैं। वह रंगों को गिनने लगी।



तोसिया घर आकर दोपहर को सो गई। उसने उठकर देखा कि नानी की सहेलियाँ आई हुई हैं। उन सबके बाल सफ़ेद-सफ़ेद हैं। तोसिया को एक बात याद आई। वह रात को नानी के साथ सोई थी। इसलिए सपने में सब सफ़ेद-सफ़ेद दिखा होगा। तोसिया नानी के बालों को गौर से देखने लगी। वह नानी के बालों को छू-छूकर देखने लगी। तोसिया सोचने लगी कि नानी के बाल सफ़ेद क्यों हैं। उसने नानी से



पूछा कि उनके बालों का रंग कहाँ गया। नानी बोलीं कि पहले उनके बाल भी काले थे। फिर उनके बालों का रंग तोसिया के बालों में चला आया।

—बरखा क्रमिक पुस्तकमाला, एन.सी.ई.आर.टी.





बातचीत के लिए



1. क्या आप कभी कोई सपना देखकर खुशी या डर से उठे हैं?
2. अपने सपनों के बारे में बातचीत कीजिए।
3. इस कहानी में कौन-कौन से रंग हैं?
4. संसार में रंग ना हों तो कैसा लगेगा?



खोजें-जानें



कहानी का क्रम खोजिए। फिर उसे पढ़कर सुनाइए—

- () तोसिया ने नानी से उनके सफ़ेद बालों के बारे में पूछा।
- () तोसिया बाज़ार गई जहाँ रंगीन पतंगें, चुन्नियाँ और गुब्बारे थे।
- () तोसिया बगीचे में गई जहाँ तरह-तरह के रंग-बिरंगे फूल थे।
- () तोसिया ने सपना देखा कि सब कुछ सफ़ेद हो गया है।
- () तोसिया ने रसोई में रंगीन मसाले देखे।
- () तोसिया घर आकर दोपहर को सो गई।



शब्दों का खेल



1. रंगों में छुपे शब्द खोजिए और लिखिए –

गुलाबी में गुलाब

आसमानी में

बैंगनी में

सिंदूरी में



2. रसोई में रंग –

तोसिया ने रसोई में रंग ही रंग देखे। मिर्च रंग की। काली मिर्च
..... रंग की। हल्दी रंग की। सरसों
रंग की। धनिया पत्ती रंग की और मेथीदाना रंग का।



आइए कुछ बनाएँ



नीचे दिए गए चित्रों को देखकर सुंदर-सी कंदील बनाइए –
(हमें चाहिए — रंगीन पेपर, कैंची, गोंद)

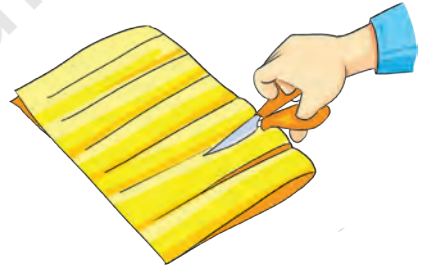
1.



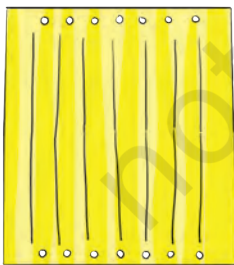
2.



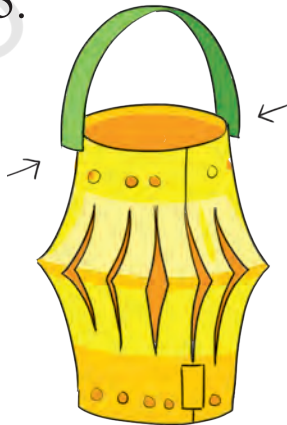
3.



4.



5.



6.

